उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
मुख्यमंत्री आवास, न्यू कैंट रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 08 अगस्त, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–03(08/36)

मुख्यमंत्री ने अगस्त क्रांति की वर्षगांठ पर दी बधाई।
मुख्यमंत्री करेंगे छात्र–छात्राओं से वीडियो कांफ्रेसिंग से संवाद।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने 9 अगस्त (अगस्त क्रांति) की वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। मुख्यमंत्री श्री रावत ने कहा कि इस वर्ष अगस्त क्रांति का महान आंदोलन अपने 75 वर्ष पूर्ण कर रहा है। आज ही के दिन 1942 में अंग्रेजों के विरुद्ध एक बड़ी निर्णायक जंग छेड़ने का ऐलान हुआ था। 9 अगस्त देश की जनता का वो महान संकल्प था जिसमें उन्होने यह प्रण लिया कि हमें आजादी चाहिए और हम आजादी ले कर रहेंगे। अगस्त क्रांति में उत्तराखंड का भी अहम योगदान रहा है। राज्य अभिलेखागार में प्रदेश के लोगों के त्याग, कुर्बानी, समर्पण और संघर्ष की कहानी संजोयी हुई है। मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में सभी ज्ञात–अज्ञात स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन करते हुए वीर शहीदों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि अगस्त क्रांति की 75वीं वर्षगांठ पर सभी को एक मजबूत एवं समृद्ध उत्तराखंड तथा भारत निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। हमें साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए भी संकल्प लेना होगा कि गरीबी, गंदगी, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, जातिवाद, संप्रदायवाद भारत छोड़कर चले जाएं।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत 09 अगस्त (अगस्त क्रांति) की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर बुधवार को सचिवालय में प्रदेश के सभी जनपदों के छात्र–छात्राओं से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से रूबरू होंगे। प्रदेश के इतिहास में ऐसा प्रथम अवसर है जब मुख्यमंत्री ब्लॉक स्तर तक छात्र–छात्राओं से वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा एक साथ संवाद करेंगे। इस संवाद कार्यक्रम में छात्र–छात्राएं न सिर्फ मुख्यमंत्री से बात करेंगे बल्कि अपने प्रश्न भी पूछ सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत भविष्य में प्रतिमाह इसी प्रकार प्रदेश के युवाओं, महिलाओं, शिक्षकों, उद्यमियों, किसानों और आम जन से संवाद करेंगे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 08 अगस्त, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–02(08/35)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने मंगलवार को डी.आई.टी विश्वविद्यालय में मुद्रा, स्टार्टअप, स्टैंड अप क्रेडिट गारंटी फंड, ट्रस्ट स्कीम और एमएसएमई पॉलिसी पर जागरूकता कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। उत्तराखण्ड सरकार, इंडस्ट्री एसोशिएसन एवं सिडबी के सौजन्य से आयोजित कार्यशाला में मुख्यमंत्री ने छात्रों को स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय स्वरोजगार है। विभिन्न उद्यमों के माध्यम से युवाओं को रोजगार तो मिलेगा ही, इसके साथ ही स्थानीय लोगों को भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन रोकने के लिए उद्योगों का विकास करना जरूरी है। इसके लिए युवाओं का आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में उद्यमों के विकास की अपार संभावनाएं है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए उत्पादों की गुणवत्ता पर ध्यान देने एवं स्किल डेवलपमेंट की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि विभिन्न देशों के इन्वेस्टरों का उत्तराखण्ड में कार्य करने हेतु प्रस्ताव आ रहा है। जैवीय उत्पादों पर कार्य करने की मांग बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि स्थानीय युवाओं का भी स्वरोजगार के प्रति रूझान बढ़ा है। आज काफी मात्रा में युवा नौकरियां छोड़कर स्वरोजगार कर रहे हैं और स्थानीय लोगों को भी विभिन्न उद्यमों के माध्यम से रोजगार प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुछ लोग स्थानीय उत्पादों पर काफी अच्छा कार्य कर रहे है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ ही लोगों को भी स्वरोजगार की धारा से जोड़ रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया एवं स्टार्टअप इण्डिया का उद्देश्य सबका साथ, सबका विकास करना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने छात्रों द्वारा लगाई गई तकनीकि उपकरणों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री धन सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखण्ड में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले काफी लोग हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में पलायन, आपदा एवं बेरोजगरी की समस्याओं के समाधान के लिए युवाओं को सोचना होगा। राज्य के विकास के लिए प्रतिभा पलायन को रोकना जरूरी है।

कार्यशाला में मसूरी विधायक श्री गणेश जोशी, प्रमुख सचिव श्रीमती मनीषा पंवार, चैयरमेन डी.आई.टी श्री अनुज अग्रवाल, वाईस चांसलर (डी.आई.टी) श्री के.के रैना आदि उपस्थित थे।

देहरादून 08 अगस्त, 2017(सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–01(08/34)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने मंगलवार को सचिवालय में प्रदेश के प्राथमिक, जूनियर एवं माध्यमिक शिक्षक संघों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि शिक्षक एक सम्मानित पद हैं। इसकी गरिमा बनाए रखी जानी चाहिए। इनको अन्य कर्मचारियों के समान ट्रीट नहीं किया जाना चाहिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने शिक्षक संघ की विभिन्न समस्याओं को ध्यान से सुना एवं अधिकतर समस्याओं का तत्काल निवारण करने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए

के विद्यालयों की कोटिकरण की विसंगतियों को 3 माह के भीतर दूर कर लिया जाए। बेसिक से LT में समायोजित शिक्षकों को बेसिक की सेवा का लाभ, चयन एवं प्रोन्नत वेतनमान जोड़े जाने हेतु 5 सितंबर तक कार्यवाही पूर्ण कर ली जाए एवं सेवा नियमावली में आवश्यक संशोधन कर लिए जाएं। प्रारंभिक शिक्षा में क्रीडा प्रतियोगिता हेतु धनराशि 25 लाख से बढ़ाकर 50 लाख कर दी जाए। बीआरसी एवं सीआरसी को भी नियमावली के अनुसार कोटिकरण हेतु सम्मिलित किया जाए।

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेंद्र ने निर्देश दिए कि 2005 में कोटद्वार विधानसभा में उप चुनाव की आचार संहिता के कारण नियुक्ति ना ले पाने वाले शिक्षको को पुरानी पेंशन योजना में शामिल किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि चयन वेतनमान एवं प्रोन्नत वेतनमान के लिए गढ़वाल मंडल एवं कुमाऊं मंडल में जो असमानताएं हैं, उन्हें तत्काल दूर किया जाए। अशासकीय विद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए शिक्षा चयन बोर्ड बनाने की कार्रवाई तत्काल शुरू की जाए। अशासकीय विद्यालयों में सामान्य भविष्य निधि की विसंगतियों को दूर कर जनपद स्तर पर निस्तारण हेतु सरलीकरण कर लिया जाए। उन्होने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए जिन विकल्पधारी शिक्षकों को अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त हो गया है उनको कार्यमुक्त कर दिया जाए।

बैठक में सचिव मुख्यमंत्री श्रीमती राधिका झा, सचिव शिक्षा श्री चन्द्रशेखर भट्ट, महानिदेशक शिक्षा श्री आलोक शेखर तिवारी सहित विभागीय अधिकारी एवं राजकीय शिक्षक संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।